UGC NET/JRF हिंदी
इकाई 7: हिंदी कहानी

सभी 21 निर्धारित कहानियों का सार, मुख्य पात्र और परीक्षा-तथ्य

1. चंद्रदेव से मेरी बातें – बंग महिला (राजेंद्रबाला घोष)
2. दुलाईवाली – बंग महिला (राजेंद्रबाला घोष)
3. एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे
4. राही – सुभद्रा कुमारी चौहान
5. ईदगाह – प्रेमचंद
6. दुनिया का सबसे अनमोल रतन – प्रेमचंद
7. कानों में कंगना – राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
8. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
9. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
10. अपना-अपना भाग्य – जैनेंद्र कुमार
11. तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम – फणीश्वरनाथ रेणु
12. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
13. गैंग्रीन (रोज़) – अज्ञेय
14. कोसी का घटवार – शेखर जोशी
15. अमृतसर आ गया है – भीष्म साहनी
16. चीफ़ की दावत – भीष्म साहनी
17. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
18. इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई
19. पिता – ज्ञानरंजन
20. राजा निरबंसिया – कमलेश्वर
21. परिंदे – निर्मल वर्मा

यह सार हिंदी साहित्य संगम ने अपने शब्दों में लिखा है। मूल कहानियाँ पढ़ने के लिए वेबसाइट देखें या कहानी-संग्रह ख़रीदें:
https://hindisahityasangam.com/library/pustakein-kharidein/

1 चंद्रदेव से मेरी बातें

बंग महिला (राजेंद्रबाला घोष) · 1904, 'सरस्वती'

सार : लेखिका चंद्रमा को देवता मानकर उससे पत्र-शैली में बातें करती है। वह पूछती है कि युगों से बिना छुट्टी लिए काम करते चंद्रदेव थकते क्यों नहीं, और सुझाव देती है कि वे भारत के अंग्रेज़ अफ़सरों की तरह छुट्टी और पेंशन ले लें। इसी बहाने अंग्रेज़ी शासन, भारतीय अफ़सरशाही, राजाओं की निष्क्रियता और देश की दुर्दशा पर तीखा व्यंग्य किया गया है।

मुख्य पात्र: लेखिका (वाचक), चंद्रदेव

परीक्षा के लिए : आरंभिक हिंदी कहानी; पत्रात्मक और व्यंग्यात्मक शैली; किसी स्त्री द्वारा लिखी आरंभिक कहानियों में।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/chandradev-se-meri-baten-bang-mahila-hindi-kahani/

2 दुलाईवाली

बंग महिला (राजेंद्रबाला घोष) · 1907, 'सरस्वती'

सार : वंशीधर अपनी पत्नी के साथ काशी से रेलगाड़ी द्वारा यात्रा पर निकलते हैं। पत्नी के रिश्ते का भाई नवलकिशोर, जो मज़ाक़-प्रिय है, दुलाई ओढ़कर स्त्री के वेश में उसी डिब्बे में बैठ जाता है। रास्ते भर गड़बड़ी, भ्रम और परेशानी होती है; अंत में भेद खुलता है और सब हँस पड़ते हैं। कहानी उस समय की रेल-यात्रा, बोलचाल और पारिवारिक हास-परिहास का जीवंत चित्र है।

मुख्य पात्र: वंशीधर, उनकी पत्नी, नवलकिशोर

परीक्षा के लिए : हिंदी की आरंभिक यथार्थवादी और हास्य-प्रधान कहानी; कई आलोचक इसे हिंदी की पहली मौलिक कहानियों में गिनते हैं।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/dulaivali-bang-mahila-hindi-kahani/

3 एक टोकरी भर मिट्टी

माधवराव सप्रे · 1901, 'छत्तीसगढ़ मित्र'

सार : एक ज़मींदार अपने महल के पास की ग़रीब विधवा की झोंपड़ी हथियाना चाहता है और अदालत से क़ब्ज़ा भी पा लेता है। विधवा केवल एक टोकरी मिट्टी माँगती है, ताकि उससे अपनी पोती के लिए चूल्हा बना सके। वह ज़मींदार से टोकरी उठवाने में मदद माँगती है, पर ज़मींदार उसे हिला भी नहीं पाता। तब विधवा कहती है कि जब एक टोकरी मिट्टी का बोझ नहीं उठता, तो पूरी झोंपड़ी का बोझ कैसे उठाओगे? ज़मींदार का हृदय बदल जाता है और वह झोंपड़ी लौटा देता है।

मुख्य पात्र: ज़मींदार, अनाथ विधवा, उसकी पोती

परीक्षा के लिए : कई विद्वान इसे हिंदी की पहली मौलिक कहानी मानते हैं; अन्याय पर नैतिक जीत।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/ek-tokri-bhar-mitti-madhavrao-sapre-hindi-kahani/

4 राही

सुभद्रा कुमारी चौहान

सार : स्वतंत्रता आंदोलन में जेल गई एक राजनीतिक बंदी जेल में राही नाम की ग़रीब स्त्री से मिलती है, जिसे भूख से तंग आकर अनाज चुराने के अपराध में सज़ा हुई है। राही की कहानी सुनकर उसे लगता है कि असली देश-सेवा भाषणों में नहीं, ऐसे भूखे और उपेक्षित लोगों के दुख दूर करने में है।

मुख्य पात्र: राही, राजनीतिक बंदी स्त्री (वाचिका)

परीक्षा के लिए : ग़रीबी और राष्ट्रीय आंदोलन के खोखलेपन का प्रश्न; सुभद्रा जी की प्रसिद्ध कहानी।

5 ईदगाह

प्रेमचंद · 1933

सार : चार-पाँच साल का अनाथ हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना के साथ रहता है। ईद के दिन मेले में बाक़ी बच्चे खिलौने और मिठाइयाँ ख़रीदते हैं, पर हामिद अपने तीन पैसों से दादी के लिए चिमटा ख़रीदता है, क्योंकि रोटी सेंकते समय दादी की उँगलियाँ जल जाती हैं। पहले अमीना उसे डाँटती है, फिर उसके त्याग पर रो पड़ती है।

मुख्य पात्र: हामिद, अमीना (दादी), महमूद, मोहसिन, नूरे, सम्मी

परीक्षा के लिए : बाल-मनोविज्ञान और त्याग की अमर कहानी; बच्चों के बीच चिमटे की 'बहस' प्रसिद्ध है।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/idgah-premchand-hindi-kahani/

6 दुनिया का सबसे अनमोल रतन

प्रेमचंद · 1907, संग्रह 'सोज़े वतन'

सार : प्रेमी दिलफ़िगार अपनी प्रेमिका दिलफ़रेब की शर्त पूरी करने के लिए 'दुनिया की सबसे अनमोल चीज़' खोजने निकलता है। वह फाँसी पाने वाले अपराधी का पश्चाताप का आँसू और पति की चिता पर सती होने वाली स्त्री की राख लाता है, पर दोनों अस्वीकार हो जाते हैं। अंत में वह देश के लिए लड़ते हुए मरे वीर के ख़ून का आख़िरी क़तरा लाता है – यही सबसे अनमोल रतन माना जाता है।

मुख्य पात्र: दिलफ़िगार, दिलफ़रेब

परीक्षा के लिए : प्रेमचंद की पहली प्रकाशित कहानी मानी जाती है; 'सोज़े वतन' को अंग्रेज़ सरकार ने ज़ब्त कर लिया था।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/duniya-ka-sabse-anmol-ratan-premchand-hindi-kahani/

7 कानों में कंगना

राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह · 1913, 'इंदु'

सार : वन में ऋषि के आश्रम में पली सरल, भोली किरण का विवाह कथावाचक से होता है। कुछ समय बाद वह एक वेश्या किन्नरी के मोह में पड़ जाता है और किरण के कंगन तक उसे दे आता है। लौटने पर उसे पता चलता है कि किरण मृत्यु के क़रीब है; उसके पश्चाताप के साथ कहानी समाप्त होती है।

मुख्य पात्र: किरण, कथावाचक, किन्नरी

परीक्षा के लिए : भावुक, काव्यात्मक गद्य; प्रेम और पश्चाताप की कहानी।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/kanon-mein-kangana-radhika-raman-prasad-singh-hindi-kahani/

8 उसने कहा था

चंद्रधर शर्मा गुलेरी · 1915, 'सरस्वती'

सार : अमृतसर के बाज़ार में बारह साल का लहना सिंह एक आठ साल की लड़की से पूछता है – 'तेरी कुड़माई हो गई ?' पच्चीस साल बाद, पहले विश्वयुद्ध में फ़्रांस के मोर्चे पर जाने से पहले, वही लड़की – अब सूबेदार हज़ारा सिंह की पत्नी – लहना से अपने पति और बेटे बोधा सिंह की रक्षा का वचन लेती है। मोर्चे पर लहना जर्मनों की चाल नाकाम करता है, दोनों को बचाता है और ख़ुद घायल होकर प्राण त्याग देता है।

मुख्य पात्र: लहना सिंह, सूबेदारनी, सूबेदार हज़ारा सिंह, बोधा सिंह, वज़ीरा सिंह

परीक्षा के लिए : हिंदी की पहली श्रेष्ठ कहानी मानी जाती है; पूर्वदीप्ति (फ़्लैशबैक) शैली; 'उसने कहा था' – वचन निभाने की कथा।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/usne-kaha-tha-chandradhar-sharma-guleri-hindi-kahani/

9 आकाशदीप

जयशंकर प्रसाद · 1929

सार : जलदस्यु बुद्धगुप्त और बंदिनी चंपा नाव पर बंधनों से छूटकर एक द्वीप पहुँचते हैं। चंपा बुद्धगुप्त से प्रेम भी करती है, पर उसे लगता है कि उसके पिता की मृत्यु के लिए बुद्धगुप्त ज़िम्मेदार है। बुद्धगुप्त उसके नाम पर द्वीप बसाता है और उसे भारत चलने को कहता है, पर चंपा मना कर देती है। वह द्वीप पर रहकर नाविकों के लिए आकाशदीप जलाती रहती है।

मुख्य पात्र: चंपा, बुद्धगुप्त

परीक्षा के लिए : प्रेम और कर्तव्य का द्वंद्व; प्रसाद की काव्यात्मक, ऐतिहासिक-रोमानी शैली।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/akashdeep-jayshankar-prasad-hindi-kahani/

10 अपना-अपना भाग्य

जैनेंद्र कुमार

सार : नैनीताल में कथावाचक और उसका मित्र रात को एक ग़रीब पहाड़ी लड़के से मिलते हैं, जो नौकरी की तलाश में ठिठुर रहा है। दोनों उसके लिए कुछ ठोस नहीं करते, बस बातें करते हैं। अगली सुबह पता चलता है कि वह लड़का ठंड से मर गया। 'अपना-अपना भाग्य' कहकर पल्ला झाड़ने वाले पढ़े-लिखे मध्यवर्ग की संवेदनहीनता पर यह तीखा व्यंग्य है।

मुख्य पात्र: कथावाचक, उसका मित्र, पहाड़ी लड़का

परीक्षा के लिए : मनोवैज्ञानिक और व्यंग्यात्मक कहानी; स्थान – नैनीताल।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/apna-apna-bhagya-jainendra-kumar-hindi-kahani/

11 तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम

फणीश्वरनाथ रेणु

सार : सीधा-सादा गाड़ीवान हिरामन पहले दो क़समें खा चुका है – चोरबाज़ारी का माल नहीं लादेगा और बाँस नहीं लादेगा। एक दिन वह नौटंकी कंपनी की हीराबाई को अपनी गाड़ी में मेले तक ले जाता है। रास्ते भर गीतों और कहानियों के बीच दोनों में कोमल लगाव पनपता है। हीराबाई के चले जाने पर टूटा हुआ हिरामन तीसरी क़सम खाता है – 'कंपनी की औरत' को कभी अपनी गाड़ी में नहीं बैठाएगा।

मुख्य पात्र: हिरामन, हीराबाई

परीक्षा के लिए : आंचलिक कहानी; 1966 में इस पर 'तीसरी कसम' फ़िल्म बनी (राज कपूर, वहीदा रहमान)।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/teesri-kasam-phanishwar-nath-renu-hindi-kahani/

12 लाल पान की बेगम

फणीश्वरनाथ रेणु

सार : गाँव की स्त्रियाँ बिरजू की माँ को उसके स्वाभिमान और रुआब के कारण 'लाल पान की बेगम' कहकर ताना देती हैं। गाँव में नाच देखने जाने की तैयारी है; बैलगाड़ी के इंतज़ार, बच्चों की ज़िद और पड़ोसिनों से कहासुनी के बीच वह झुँझलाती है। अंत में पति गाड़ी लेकर आता है, वह पड़ोसिनों को भी साथ बैठा लेती है – मान-मनौवल के साथ ग्रामीण जीवन का उल्लास छा जाता है।

मुख्य पात्र: बिरजू की माँ, बिरजू, चंपिया, बिरजू के बापू, जंगी की पुतोहू

परीक्षा के लिए : आंचलिक कहानी; ग्रामीण स्त्री के आत्मसम्मान का चित्र।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/lal-paan-ki-begum-phanishwar-nath-renu-hindi-kahani/

13 गैंग्रीन (रोज़)

अज्ञेय · 1934

सार : कथावाचक अपनी बचपन की सहेली मालती से मिलने पहाड़ी कस्बे में जाता है। मालती का विवाह डॉक्टर महेश्वर से हुआ है; उसका जीवन एक ही ढर्रे पर चलता है – रोज़ वही काम, वही इंतज़ार। चंचल मालती भीतर से जड़ और थकी हुई हो चुकी है। घड़ी के घंटों, ऊब और सन्नाटे के सहारे यह कहानी दांपत्य जीवन की उस 'सड़न' (गैंग्रीन) को दिखाती है जो बाहर से दिखती नहीं।

मुख्य पात्र: मालती, डॉक्टर महेश्वर, कथावाचक, बच्चा टिटी

परीक्षा के लिए : मनोवैज्ञानिक कहानी; शीर्षक 'गैंग्रीन' बाद में 'रोज़' कर दिया गया।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/gaingreen-agyeya-hindi-kahani/

14 कोसी का घटवार

शेखर जोशी

सार : फ़ौज से लौटा अकेला गुसाईं कोसी नदी के किनारे पनचक्की (घट) चलाता है। एक दिन उसकी पुरानी प्रेमिका लछमा आटा पिसाने आती है – अब वह विधवा है और एक बेटे के साथ कठिन जीवन जी रही है। दोनों के बीच अनकही पीड़ा और संकोच है। गुसाईं चुपचाप अपना आटा भी उसके आटे में मिला देता है – प्रेम का यही मौन रूप कहानी की आत्मा है।

मुख्य पात्र: गुसाईं, लछमा

परीक्षा के लिए : पहाड़ी (कुमाऊँ) जीवन की आंचलिक कहानी; नई कहानी दौर।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/hindi-kahani-kosi-ka-ghatwar/

15 अमृतसर आ गया है

भीष्म साहनी

सार : विभाजन के दिनों में रेलगाड़ी के एक डिब्बे में अलग-अलग धर्मों के यात्री हैं। एक दुबला-पतला बाबू पठानों के मज़ाक़ और धौंस का शिकार होता है और डरा रहता है। जैसे ही गाड़ी अमृतसर पहुँचती है, जहाँ उसके धर्म के लोगों की संख्या ज़्यादा है, उसका व्यवहार बदल जाता है – वह आक्रामक हो उठता है और डिब्बे में चढ़ने की कोशिश करते एक निर्दोष व्यक्ति पर लोहे की छड़ से वार कर देता है।

मुख्य पात्र: दुबला बाबू, पठान यात्री, सरदार जी, कथावाचक

परीक्षा के लिए : सांप्रदायिकता के मनोविज्ञान की कहानी; डर कैसे हिंसा में बदलता है।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/amritsar-aa-gaya-bheeshm-sahani-hindi-kahani/

16 चीफ़ की दावत

भीष्म साहनी

सार : शामनाथ अपने अमेरिकी चीफ़ को घर दावत पर बुलाते हैं और अपनी बूढ़ी माँ को 'छिपाने' की कोशिश करते हैं। संयोग से चीफ़ माँ से मिलते हैं, उनके लोकगीत और फुलकारी से प्रभावित होते हैं। अब अपनी तरक़्क़ी के लिए शामनाथ माँ से कहते हैं कि वे चीफ़ के लिए फुलकारी बनाएँ – जबकि माँ की आँखें कमज़ोर हैं और वे हरिद्वार जाना चाहती हैं।

मुख्य पात्र: शामनाथ, माँ, शामनाथ की पत्नी, चीफ़

परीक्षा के लिए : मध्यवर्गीय स्वार्थ और बूढ़े माता-पिता की उपेक्षा पर तीखी कहानी।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/chief-ki-dawat-bhishma-sahni-hindi-kahani/

17 सिक्का बदल गया

कृष्णा सोबती · 1948, 'प्रतीक'

सार : विभाजन के समय पश्चिमी पंजाब के एक गाँव की बूढ़ी, संपन्न शाहनी को अपना घर-बार छोड़कर जाना पड़ता है। जिस शेरा को उसने पाला-पोसा, वह भी उलझन में है। जो गाँव कल तक शाहनी का था, आज वहाँ 'सिक्का बदल गया' है – सत्ता और समय बदल गए हैं। शाहनी स्वाभिमान के साथ, सब कुछ छोड़कर ट्रक में बैठ जाती है।

मुख्य पात्र: शाहनी, शेरा, दाऊद ख़ाँ

परीक्षा के लिए : विभाजन की त्रासदी पर प्रसिद्ध कहानी; 'प्रतीक' पत्रिका में अज्ञेय ने छापी।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/sikka-badal-gaya-krishna-sobti-hindi-kahani/

18 इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

हरिशंकर परसाई

सार : चाँद की सरकार अपनी पुलिस सुधारने के लिए भारत से एक अनुभवी पुलिस अधिकारी माँगती है, और इंस्पेक्टर मातादीन वहाँ भेजे जाते हैं। वे वहाँ भारतीय पुलिस के तौर-तरीक़े – झूठे गवाह, फ़र्ज़ी केस, रिश्वत – सिखा देते हैं। नतीजा यह कि चाँद का शांत समाज भी भ्रष्टाचार और भय से भर जाता है, और अंत में चाँद की सरकार मातादीन को वापस भेजने की गुहार लगाती है।

मुख्य पात्र: इंस्पेक्टर मातादीन, चाँद के अधिकारी

परीक्षा के लिए : हिंदी व्यंग्य की प्रसिद्ध रचना; पुलिस-व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/inspector-matadeen-chand-par-harishankar-parsai-hindi-kahani/

19 पिता

ज्ञानरंजन

सार : बेटा अपने पिता की आदतों से परेशान है – गर्मी में भी वे बाहर खाट पर सोते हैं, पंखा या कोई सुविधा लेने से मना करते हैं, और अपनी पुरानी जीवन-शैली पर अड़े रहते हैं। बेटा चाहता है कि वे आराम से रहें, पर पिता का यह हठ उनके स्वाभिमान और पुरानी पीढ़ी के मूल्यों से जुड़ा है। कहानी दो पीढ़ियों के बीच की दूरी और बेटे के अपराध-बोध को दिखाती है।

मुख्य पात्र: पिता, बेटा (कथावाचक)

परीक्षा के लिए : साठोत्तरी कहानी; पीढ़ियों का अंतराल।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/pita-gyanranjan-hindi-kahani/

20 राजा निरबंसिया

कमलेश्वर

सार : कहानी में दो कथाएँ साथ-साथ चलती हैं – एक लोककथा के राजा निरबंसिया और रानी की, दूसरी आज के जगपती और उसकी पत्नी चंदा की। ग़रीब जगपती घायल होता है, चंदा उसके इलाज के लिए अपने गहने बेचती है और बचन सिंह की मदद लेती है। बाद में चंदा के बच्चे को लेकर जगपती के मन में संदेह और अपमान भर जाता है, और वह आत्महत्या कर लेता है। लोककथा का सुखद अंत और आधुनिक कथा का दुखद अंत आमने-सामने रखे गए हैं।

मुख्य पात्र: जगपती, चंदा, बचन सिंह; लोककथा के राजा-रानी

परीक्षा के लिए : नई कहानी आंदोलन की प्रमुख कहानी; दोहरी कथा-संरचना।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/raja-nirbansiya-kamleshwar-hindi-kahani/

21 परिंदे

निर्मल वर्मा · संग्रह 'परिंदे' (1959)

सार : पहाड़ी कस्बे के लड़कियों के स्कूल में पढ़ाने वाली लतिका अपने मृत प्रेमी मेजर गिरीश नेगी की यादों में जी रही है। सर्दी की छुट्टियों में सब जा रहे हैं, पर वह हर साल रुक जाती है। डॉक्टर मुखर्जी और मिस्टर ह्यूबर्ट जैसे अकेले लोग भी उसके आसपास हैं। प्रवासी परिंदों को देखकर वह सोचती है कि क्या उसे भी अतीत छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्य पात्र: लतिका, डॉक्टर मुखर्जी, मिस्टर ह्यूबर्ट, गिरीश नेगी (स्मृति में)

परीक्षा के लिए : नामवर सिंह ने इसे 'नई कहानी' की पहली कृति कहा; अकेलेपन और स्मृति की कहानी।

पूरा पाठ और चर्चा: https://hindisahityasangam.com/parinde-nirmal-verma-hindi-kahani/